आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

# अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 17 अंक : 30 लखनऊ, शनिवार 14 नवम्बर 2026 सा 20 नवम्बर 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

## मिशन–2027 के लिए भाजपा का मतदाता जोड़ो अभियान तेज, योगी ने कार्यकर्ताओं को एक महीने का दिया अल्टीमेटम

लखनऊ। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को चुनावी रणनीति का अहम हथियार बना लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे अपने दूसरे काम छोड़कर अगले एक महीने तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने के अभियान में पूरी ताकत से जुटें। यह आखिरी मौका है, अभी मेहनत नहीं की तो बाद में पछताना पड़ेगा। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पार्टी की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ हर पात्र मतदाता का नाम सूची में दर्ज कराने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि २०२२ में भाजपा कई विधानसभा सीटों पर महज १५०० से २००० मतों के अंतर से जीती थी। ऐसे में मतदाता सूची के पुनरीक्षण में एक–एक नाम महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपनी विधानसभा और बूथ की स्थिति का आकलन कर घर–घर संपर्क करने को कहा। मुख्यमंत्री ने मेरठ में एक व्यक्ति के कई पहचान पत्र बनाए जाने का उल्लेख करते हुए मतदाता सूची में गड़बड़ियों पर सतर्क रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में करीब पांच हजार फार्म–६ भरवाकर पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने का लक्ष्य रखा जाए। उन्होंने मतदाता सूची में महिलाओं के अनुपात में आई कमी का भी उल्लेख किया। उनके मुताबिक, पहले प्रति हजार पुरुष मतदाताओं पर ८७७ महिलाएं थीं, जो अब ८३४ रह गई हैं। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कार्यकर्ताओं से जीन–जान लगाकर




अधिकाधिक मतदाताओं को जोड़ने की अपील की। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कार्यकर्ताओं की नाराजगी को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि बहुत सी बातें उनकी भी समझ में नहीं आतीं और वह भी संतुष्ट नहीं हैं। लेकिन अभी सभी बातों को भूलकर मिशन–२०२७ की तैयारी में जुटने का समय है। उन्होंने कहा कि पार्टी को लगातार तीसरी बार सरकार बनानी है। मौर्य ने २०१७ और २०२२ के विधानसभा चुनावों के वोट आंकड़े सामने रखते हुए कहा कि २०१७ में भाजपा को ३.४४ करोड़ और सपा को १.८६ करोड़ वोट मिले थे। २०२२ में भाजपा के वोट बढ़कर ३.८० करोड़ और सपा के २.६५ करोड़ हो गए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मंथन करने को कहा कि लोकसभा चुनाव २०२४ में भाजपा का वोट सपा की ओर क्यों खिसका और उसे फिर भाजपा के पक्ष में कैसे लाया जाए। सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने बताया कि निर्वाचन आयोग १७ नवंबर को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित करेगा। १७ नवंबर से १६ दिसंबर तक दावे और आपत्तियां ली जाएंगी। इसी दौरान भाजपा मतदाता जोड़ो अभियान चलाएगी। प्रत्येक बूथ पर १०० मतदाता जोड़ने का लक्ष्य होना चाहिए, लेकिन कम से कम ५० नए मतदाता जोड़ना ही होगा। पार्टी युवा मतदाताओं, विवाह के बाद दूसरे स्थान पर आई महिलाओं, पंचायत मतदाता सूची में शामिल लेकिन विधानसभा सूची से बाहर लोगों, सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों, राशन कार्ड धारकों और रोजगार के लिए बाहर रहने वाले लोगों पर विशेष ध्यान देगी। पंचायत सहायकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा बहुओं, स्वयं सहायता समूहों और बीसी सखियों की मदद ली जाएगी। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में भी विशेष शिविर लगाए जाएंगे। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह को शुक्रवार को लखनऊ में चल रही पार्टी की प्रदेश स्तरीय एसआईआर कार्यशाला को बीच में छोड़कर दिल्ली रवाना हो गए। कार्यशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। धर्मपाल के अचानक दिल्ली जाने को संगठन स्तर पर अहम माना जा रहा है।

## प्रधानमंत्री मेरा फोन टैप कर रहे हैं : राहुल

नई दिल्लीं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनका



फोन टैप कर रहे हैं और जो आरोप वह लगा रहे हैं, उन सभी के सबूत उसी फोन में मौजूद हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को फिर आमने–सामने की बहस की चुनौती दी और कहा कि इससे साबित हो जाएगा कि कौन विदेशी ताकतों के नियंत्रण में है और कौन देश विरोधी है। उनके पास इस संबंध में कई अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी हैं और ये सभी जानकारियां उनके फोन में हैं। श्री गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में श्री मोदी पर निशाना साधते हुए लिखा मोदी जी, अपने ही गोदी मीडिया के दिवाली मिलन में भी टेलीप्रॉम्प्टर। लोग आपके, मंच आपका, माहौल आपका–फिर भी स्क्रिप्ट चाहिए थी। लगता है दबाव में घबरा गए हैं। खैर, कोई बात नहीं। मुझसे बहस में भी टेलीप्र म्टर ले आइए, जज भी अपनी पसंद का बैठा लीजिए। बस आइए तो सही। देश जानना चाहता है–असली देशद्रोही कौन है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसद में बहस की बात करती है, लेकिन जब भी उन्होंने संसद में मुद्दे उठाने की कोशिश की तब उनका माइक बंद कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान विधेयक, वोट चोरी, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), चीन, पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की किताब और एपस्टीन से जुड़े मुद्दों पर उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया गया। श्री गांधी ने कहा कि वह भाषण वाली बहस नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के साथ आमने–सामने की चर्चा चाहते हैं। इसमें एक तरफ श्री मोदी और दूसरी तरफ वह स्वयं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उन पर आरोप लगाते हैं और वह भी उन पर आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा उधर आप अडानी जी को जज बनाना चाहते हों, मोहन भागवत को बनाना चाहते हों, वो सब ठीक है, मगर मैं गारंटी दे रहा हूं, 'वन–ऑन–वन' डिबेट के बाद प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री नहीं रह पाएंगे।

## ओवैसी और चंद्रशेखर ने किया गठबंधन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के बीच गठबंधन हो गया गया है। ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ने लखनऊ में एक प्रेस क न्फ्रेंस करके गठबंध न का ऐलान किया। नए मोर्चे का नाम सामाजिक परिवर्तन मोर्चा रखा गया है। यह मोर्चा सभी ४०३ सीटों पर चुनाव लड़ेगा। ओवैसी ने प्रेस क न्फ्रेंस में चंद्रशेखर को मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित किया। गठबंधन की घोषणा के बाद दोनों नेताओं ने कहा कि भाजपा को रोकने के लिए उनका मोर्चा मजबूत विकल्प बनेगा। सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि यह तीसरा मोर्चा नहीं, बल्कि पहला मजबूत मोर्चा होगा। उन्होंने कहा कि पहले उन्होंने बड़े गठबंधन में शामिल होने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कमजोर समझा गया। उधर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, "हम 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' का स्वागत करते हैं। समाज के स्तर पर परिवर्तन होना ही चाहिए"। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी १६ फीसदी और दलित आबादी २१ फीसदी है। ४० फीसदी के इस वोट बैंक पर गठबंधन की नजर है। यह गठबंधन अगर अच्छा प्रदर्शन करता है तो समाजवादी पार्टी और बसपा दोनों को नुकसान



हो सकता है। हालांकि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, "समाज के स्तर पर परिवर्तन होना ही चाहिए। लेकिन, सच में सफलता तभी मिलेगी जब 'राजनीतिक परिवर्तन मोर्चा' सक्रिय होगा। पीडीए समाज के भले के लिए जो भी साम्प्रदायिक ताकतों से सच में लड़ेगा, उसकी ईमानदार आवाज अवाम तक पहुंचाने में हम सहयोग करेंगे"।

# सम्पादकीय

## इतिहास के आईने में सोनिया गांधी का पक्ष

सोनिया गांधी की आत्मकथा केवल उनके व्यक्तिगत जीवन, पारिवारिक संबंधों और राजनीतिक सफर की कहानी भर नहीं है, बल्कि यह भारतीय राजनीति के पिछले लगभग छह दशकों के कई महत्वपूर्ण, विवादित और बहुचर्चित घटनाक्रमों को एक अलग नजरिए से देखने का अवसर भी प्रदान करती है। स्वाभाविक है कि इस पुस्तक के सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में प्रतिक्रियाएं होंगी और कुछ घटनाओं को लेकर वैकल्पिक व्याख्याएं भी प्रस्तुत की जाएंगी। किसी राजनीतिक व्यक्तित्व की आत्मकथा पर सवाल उठना या उसके तथ्यों से असहमति जताया जाना लोकतांत्रिक विमर्श का सामान्य हिस्सा है। हालांकि, इस पुस्तक का महत्व केवल उससे पैदा हुई राजनीतिक बहस तक सीमित नहीं है। इसकी असली अहमियत इस बात में है कि इसके माध्यम से भारतीय राजनीति के एक महत्वपूर्ण दौर को उस व्यक्ति के नजरिए से समझने का अवसर मिला है, जो परिस्थितियों के चलते निजी जीवन की सीमाओं से निकलकर देश की राजनीति के केंद्र में पहुंच गईं। सोनिया गांधी उस परिवार का हिस्सा रही हैं, जिसने स्वतंत्रता के बाद भारतीय राजनीति की दिशा और दशा तय करने में दशकों तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐसे परिवार से जुड़ी घटनाओं, राजनीतिक फैसलों और सत्ता के भीतर घटित प्रसंगों को लेकर अब तक अनेक पुस्तकें लिखी गई हैं। इतिहासकारों, पत्रकारों और राजनीतिक विश्लेषकों ने अपने–अपने नजरिए से इन घटनाओं का विश्लेषण किया है, लेकिन संबंधित व्यक्तियों का अपना पक्ष हमेशा उपलब्ध नहीं रहा। यही वह कमी है, जिसे किसी आत्मकथा के माध्यम से काफी हद तक पूरा किया जा सकता है। भारतीय राजनीति में शीर्ष पदों पर रहे नेताओं की आत्मकथाओं का इतिहास बहुत समृद्ध नहीं रहा है। जवाहरलाल नेहरू की आत्मकथा वर्ष १९३६ में प्रकाशित हुई थी। उस समय वह प्रधानमंत्री नहीं थे और देश भी स्वतंत्र नहीं हुआ था। इसलिए आजादी के बाद प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल, देश के शुरुआती राजनीतिक फैसलों और तत्कालीन चुनौतियों को लेकर उनका प्रत्यक्ष आत्मकथात्मक पक्ष सामने नहीं आ सका। इन घटनाओं के बारे में जानने के लिए इतिहासकारों और अन्य लेखकों की पुस्तकों पर निर्भर रहना पड़ता है। इसी तरह भारतीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दूसरे प्रधानमंत्रियों के मामले में भी व्यक्तिगत ष्टिकोण का अभाव दिखाई देता है। इंद्र कुमार गुजराल ने अपनी आत्मकथा लिखी, लेकिन उनका प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल अपेक्षोंत संक्षिप्त रहा। पी.वी. नरसिंह राव ने अपने अनुभवों और राजनीतिक घटनाक्रमों को उपन्यास के माध्यम से प्रस्तुत किया। ऐसे में उनके लेखन में वास्तविक घटनाओं और साहित्यिक प्रस्तुति के बीच अंतर करना कई बार चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इस पृष्ठभूमि में सोनिया गांधी की आत्मकथा का सामने आना महत्वपूर्ण है। इसके जरिए उन घटनाओं और परिस्थितियों को परिवार के भीतर से देखने का एक नजरिया मिलता है, जिनका भारतीय राजनीति पर व्यापक प्रभाव पड़ा। खासकर सत्ता, संगठन, पारिवारिक जिम्मेदारियों और राजनीतिक परिस्थितियों के बीच संबंधों को समझने के लिए यह पुस्तक एक नया संदर्भ उपलब्ध करा सकती है। हालांकि, किसी भी आत्मकथा को इतिहास का अंतिम और निर्विवाद सत्य नहीं माना जा सकता। आत्मकथा मूलतः लेखक के अनुभवों, स्मृतियों और व्यक्तिगत ष्टिकोण पर आधारित होती है। उसमें कुछ घटनाएं लेखक की समझ के अनुसार प्रस्तुत होती हैं, जबकि दूसरे पक्ष के पास उन्हीं घटनाओं की अलग व्याख्या हो सकती है। इसलिए सोनिया गांधी की आत्मकथा को भी उपलब्ध ऐतिहासिक दस्तावेजों, अन्य नेताओं के वक्तव्यों, पत्रकारों की रिपोर्टों और स्वतंत्र शोध के साथ मिलाकर पढ़ा जाना चाहिए। इतिहास का उद्देश्य किसी एक व्यक्ति या परिवार के पक्ष को स्थापित करना नहीं, बल्कि घटनाओं की समग्र और वस्तुनिष्ठ समझ विकसित करना है। इसके लिए जरूरी है कि सत्ता में रहे लोगों के साथ–साथ उनके आलोचकों और समकालीन राजनीतिक व्यक्तित्वों के विचारों को भी समान गंभीरता से देखा जाए। सोनिया गांधी की आत्मकथा इसी व्यापक ऐतिहासिक विमर्श में एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है। इसका वास्तविक मूल्य राजनीतिक समर्थन या विरोध से नहीं, बल्कि इस बात से तय होगा कि यह भारतीय राजनीति के बीते दौर को समझने के लिए कितने नए तथ्य, अनुभव और दृष्टिकोण उपलब्ध कराती है।

# सत्ता में हैं, पर रील बना रहे हैं!

**हरिशंकर व्यास**

मुझे ध्यान नहीं कि सोनिया गांधी ने कभी अपनी रील बनाई या डॉ. मनमोहन सिंह ने बनाई। अटल बिहारी वाजपेयी ने भी रील नहीं बनाई। भारत के प्रधानमंत्री पहले कभी अपने मुँह मियाँ मिट्ठू नहीं बनते थे। भाषणों का भौकाल नहीं बनाते थे। शायद इसलिए कि पावर से बनी उनकी आभा अपने आप लोगों में, दर्शकों, पाठकों, बौद्धिकों, लेखकों, सभी समझदारों के दिलो–दिमाग में उतरती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी अब सौ वर्ष पुराना संगठन है। नरेंद्र मोदी बारह वर्षों से प्रधानमंत्री हैं। भाजपा नंबर एक राजनीतिक शक्ति है। संघ और मोदी के इतिहास, विचारधारा और कामकाज पर भारतीय तथा विदेशी विद्वानों ने अपनी तह जाना, लिखा भी है। बावजूद इसके सोचें कि क्या संघ और मोदी की कहानी ने देश–दुनिया में वैसी साहित्यिक और मानवीय उत्सुकता पैदा की है जैसी नेहरू गांधी परिवार की कहानी ने की है? निश्चित ही संघ की कहानी अलग है। वहाँ शाखाएँ हैं, प्रचारक हैं, अनुशासन है, विचारधारा है, संगठन का विस्तार है। सरसंघचालक बदलते हैं, जबकि उत्तराधिकार परिवार में नहीं चलता। निजी संबंधों के बजाय संगठनात्मक संबंध महत्त्वपूर्ण हैं। जाहिर है संघ की कहानी राजनीतिक और संस्थागत इतिहास अधिक होगी, न कि पारिवारिक गाथा। ऐसे ही मोदी की कहानी भी अलग है। साधारण पृष्ठभूमि से निकला व्यक्ति संघ का प्रचारक बना। भाजपा का संगठनकर्ता हुआ। गुजरात का मुख्यमंत्री बना और फिर प्रधानमंत्री। इसमें नाटकीयता कम नहीं है। बावजूद इसके सभी तरह के लेखकों द्वारा लिखी गई जीवनियों, पुस्तकों में क्या झलकता है? प्रोपेगेंडा, जुमलों की हवाबाजी और वह भदेस अंदाज जिससे पाठक के आगे मानो सब कुछ प्रायोजित ढंग से प्रस्तुत। मतलब सिक्के के दोनों पहलू एक से। नेहरू गांधी परिवार की कहानी को उसके समर्थकों के साथ विरोधियों ने भी जीवित रखा। नेहरू की नीतियों पर आलोचना हुई। इंदिरा के आपातकाल पर पुस्तकें लिखी गईं। कांग्रेस के वंशवाद पर बहस हुई। सोनिया के विदेशी मूल को मुद्दा बनाया गया। हर विवाद से परिवार के बारे में नई चर्चा पैदा हुई। मोदी और संघ के बारे में भी प्रशंसा और आलोचना है। मगर उसमें स्वतंत्र शोध, प्रचारात्मक लेखन, राजनीतिक विश्लेषण और निजी संस्मरण का अनुपात क्या है, इससे अपने आप विषय बेमतलब हुआ पड़ा है। विडंबना और मजे की बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी के अच्छे दिनों के वादे के साथ संघ परिवार ने अपनी प्रस्तुति में उन्हीं के तौर–तरीकों (पालतू मीडिया, सोशल मीडिया, भक्तों के कीर्तन आदि) को अपनाया जिससे परिवार का व्यवहार ले–देकर सत्ता के पिछलग्गू होने का बना है। सोचे, १४० करोड़ लोगों के शासन के मौजूदा प्रतिनिधि मोदी शासन और संघ परिवार दोनों अपनी रील बना कर अपने को क्या बतलाते हुए हैं। अपने कथित कर्तव्य पथ और ताकत दिखावे के पथ संचलनों की उनकी रील, पोस्ट और ट्वीट से ही उनकी कहानी है? क्या सावरकर या गोलवलकर या पंडित मदनमोहन मालवीय, करपात्री जैसे किसी भी नेहरू विरोधी चेहरे ने अपना ऐसा कोई भोंडापन, मजाक बनवाया?

# सपा को झटकाः पूर्व सांसद अरविंद चौधरी और अनिल यादव सैकड़ों समर्थकों संग भाजपा में शामिल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) को उत्तर प्रदेश में बुधवार को एक और राजनीतिक झटका लगा, जब बस्ती के पूर्व सांसद अरविंद चौधरी और बांदा के सपा नेता अनिल यादव अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, ज्वाइनिंग कमेटी के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह तथा परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह की मौजूदगी में दोनों नेताओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें पार्टी का सदस्य बनाकर भाजपा परिवार में स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा विचारधारा आधारित संगठन है, जहां कार्यकर्ता सर्वोपरि है। पार्टी में प्रत्येक कार्यकर्ता के परिश्रम, समर्पण और योगदान को सम्मान मिलता है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों नेताओं के पार्टी में शामिल होने से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले लगभग १२ वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को धरातल पर उतारा है। गरीब कल्याण, आधारभूत ढांचे के विस्तार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए बिना भेदभाव के काम किया गया है। भाजपा वर्ष २०४७ तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने देश में अराजकता फैलाने के कथित प्रयासों पर चिंता जताते हुए कहा कि कुछ शक्तियां लोकतांत्रिक वातावरण को प्रभावित कर भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भारत को बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका जैसी परिस्थितियों की ओर धकेलने तथा देश में तख्तापलट जैसी स्थिति पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने देशवासियों से ऐसे प्रयासों के प्रति सजग रहने की अपील की। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भारत का लोकतंत्र मजबूत है। देश के नौजवानों और जागरूक जनता ने अराजकता फैलाने तथा माहौल खराब करने के प्रयासों का जवाब दिया है। आगामी चुनाव केवल किसी व्यक्ति की जीत या सरकार बनाने का चुनाव नहीं, बल्कि देश की स्थिरता, विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का भी विषय है। देश को अस्थिर करने वाली शक्तियों के मंसूबों को विफल करना सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्रहित और जनसेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य को लेकर संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता प्रतिबद्धता से काम कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भयमुक्त वातावरण में विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। इस मौके पर प्रदेश मुख्यालय प्रभारी गोविंद नारायण शुक्ल, प्रदेश मीडिया संयोजक मनीष दीक्षित, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अंकुश त्रिपाठी सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सदस्यता ग्रहण करने वाले नेताओं के समर्थक मौजूद रहे।



# गोमती तट पर छठ का भव्य आयोजन, १०० कलाकारों की प्रस्तुतियों से गूंजेगा लक्ष्मण मेला घाट

लखनऊ। छठ महापर्व की तैयारियां घरों से लेकर घाट तक अंतिम चरण में हैं। १४ नवंबर को खरना के साथ ३६ घंटे के निर्जल व्रत की शुरुआत होगी और १६ को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ व्रत का पारण होगा। अखिल भारतीय भोजपुरी समाज की ओर से गोमती तट पर ४५ वर्ष पुराने छठ मेले का इस वर्ष भी भव्य आयोजन किया जाएगा। लक्ष्मण मेला घाट पर १०० से अधिक कलाकार लगातार १८ घंटे तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे। अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय ने बताया कि



लक्ष्मण मेल घाट समेत लखनऊ के प्रमुख घाटों में सफाई का काम पूरा हो चुका है। फागिंग आदि कराई जा रही है। चिकित्सा शिविर तक के इंतजाम भी किए जाएंगे। राय ने बताया कि १३ तारीख को व्रती पूजा की तैयारियां करेंगे। कपड़ों की धुलाई, चक्की की सफाई और प्रसाद के लिए गेहूं पीसने का कार्य होगा। १४ तारीख को खरना होगा। इस दिन शाम को साठी के चावल का रसियाव, रोटी और लौकी की सब्जी गाय के घी में तैयार कर ग्रहण किया जाएगा। इसके बाद निर्जल व्रत शुरू होगा। १६ तारीख को सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण होगा। पूजा में नए बर्तन, नए कपड़े और शुद्ध सामग्री का विशेष महत्व है। लक्ष्मण मेला घाट पर १५ तारीख को दोपहर २ बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू होंगे। करीब १०० कलाकार लगातार १८ घंटे प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम १६ तारीख की सुबह ८ बजे तक चलेंगे। पद्मश्री मालिनी अवस्थी होंगी भी शाम ६ से रात ६ बजे तक प्रस्तुति देंगी। राय ने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में पहुंचकर छठ महापर्व में सहभागिता की अपील की है।

# राजनाथ सिंह और सीएम योगी करेंगे सौमित्र विहार व आईटी सिटी योजना का शुभारंभ

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के विकास को नई रफ्तार मिलने वाली है। २३ नवंबर को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शहर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ कई परियोजनाओं की सौगात दे सकते हैं। आवास विकास की सौमित्र विहार और एलडीए की आइटी सिटी योजना का शुभारंभ करने के साथ वह लामार्टीनियर कालेज से जी–२० रोड तक फ्लाईओवर निर्माण का शिलान्यास भी कर सकते हैं। एलडीए ने कार्यक्रम की तैयारी पूरी कर ली है। इसके अलावा बाढ़ से राहत दिलाने के लिए बंधे और पंपिंग स्टेशनों की योजनाओं को भी आगे बढ़ाया जाएगा। एलडीए ने कार्यक्रम की तैयारियां तेज कर दी हैं। एलडीए का ग्रीन क रिडोर के तीसरे चरण में गोमती नदी तरफ लामार्टीनियर कालेज से आर्मी लैंड होते हुए जी–२० रोड तक २३०० मीटर लंबा फ्लाईओवर प्रस्तावित है। इसके निर्माण में ३१५ करोड़ रुपये से खर्च होंगे। इस महत्वाकांक्षी योजना का शिलान्यास हुआ तो निर्माण २३ से २८ नवंबर के बीच शुरू हो जाएगा। इसके बनने से १०६० चौराहे से इकाना स्टेडियम, एयरपोर्ट व अयोध्या रोड सीधा आनाजाना आसान हो जाएगा। एलडीए ने निर्माण के लिए पिछले वर्ष टेंडर जारी किया था। साथ ही ग्रीन क रिडोर के दूसरे चरण में डालीगंज ओवरब्रिज का लोकार्पण व बांध का शिलान्यास किया जाएगा। इसी तरह फैजुल्लागंज में गोमती नदी की बाढ़ का पानी को रोकने के लिए एलडीए १८० करोड़ से ५.५० किमी का बंधा निर्माण करेगा। इसका भूमि पूजन व शिलान्यास भी रक्षामंत्री व मुख्यमंत्री करेंगे। साथ ही फैजुल्लागंज और गोमती नगर विस्तार क्षेत्र में गोमती की बाढ़ से बचाने के लिए १४८ करोड़ के पांच बाढ़ पंपिंग स्टेशन निर्माण के लिए भूमि पूजन होगा। वहीं, सुलतानपुर रोड स्थित आईटी सिटी योजना का शुभारंभ करके लैंड पूलिंग के तहत जमीन देने वाले किसानों को उसी योजना में आवंटित भूखंडों के स्वीत पत्र बांटे जाएंगे। साथ ही आम लोगों के लिए भूखंडों का पंजीयन खोला जाएगा। उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारी तेज कर दी है। साथ ही बसंतकुंज योजना में प्रधानमंत्री आवास पाने वालों को आवंटन पत्र भी दिया जाएगा।

# पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद, न्यूज चौनल के पत्रकार पर चाकू से वार

लखनऊ। लखनऊ के नाका हिंडोला पुलिस थाना अंतर्गत बृहस्पतिवार की रात एक होटल के निकट पैसे के लेन–देन को लेकर विवाद के बाद चाकू से किए गए हमले में एक समाचार चौनल का पत्रकार घायल हो गया। होटल दीप अवध के पास एक युवक ने पहले कार से पत्रकार की गाड़ी में टक्कर मारी और फिर चाकू लेकर हमला करने दौड़ पड़ा। इस दौरान साथी पत्रकार को बचाने के लिए बीच–बचाव करने पहुंचे न्यूज चौनल के युवक तारिक पर आरोपी ने चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, घायल युवक की पहचान तारिक के रूप में हुई है जो न्यूज चौनल के साथ काम करता है। बृहस्पतिवार रात जारी एक बयान में पुलिस ने कहा कि रात करीब साढ़े आठ बजे सूचना मिली कि राजकुमार उर्फ लल्लन (४६) ने होटल दीप अवध के पास सड़क पर एक न्यूज चौनल के युवक को चाकू मारकर घायल कर दिया है। इसमें कहा गया है कि इस सूचना पर स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और तारिक को इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद था। उन्होंने बताया कि आरोपी राजकुमार नशे की हालत में मौके पर पहुंचा और उसने पहले अपनी कार से संतोष शर्मा की कार को टक्कर मारी इसके बाद उसने चाकू से हमले का प्रयास किया। कार में टक्कर मारने के बाद आरोपी ने संतोष शर्मा पर चाकू से हमला करने का प्रयास किया। हालांकि, संतोष शर्मा दूर हट गए और पत्रकार तारिक ने हस्तक्षेप किया तो आरोपी ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चाकू के साथ आरोपी राजकुमार को हिरासत में ले लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है, पीड़ित के परिजनों से तहरीर प्राप्त कर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी राजकुमार उर्फ लल्लन को घटना में इस्तेमाल किए गए चाकू के साथ हिरासत में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित के परिजनों से तहरीर प्राप्त होने के बाद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

# ११ महीने से नियुक्ति का इंतजार, चयनित नेत्र परीक्षण अधिकारियों ने स्वास्थ्य भवन पर किया प्रदर्शन

लखनऊ। सरकारी नौकरी पाने का सपना पूरा होने के बाद भी नियुक्ति के लिए इंतजार खत्म नहीं हो रहा है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपी एसएसएससी) के अंतर्गत चयनित नेत्र परीक्षण अधिकारी अभ्यर्थी पिछले ११ महीनों से नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। अंतिम चयन परिणाम घोषित हुए लगभग ११ महीने बीत जाने के बावजूद अब तक नियुक्ति पत्र जारी नहीं किए गए हैं, जिससे चयनित अभ्यर्थियों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। इसी को लेकर शुक्रवार सुबह आठ बजे से प्रदेश के अलग–अलग जिलों से आए चयनित अभ्यर्थियों ने स्वास्थ्य भवन पहुंचकर अपनी आवाज बुलंद की। इसी क्रम में आज सुबह ८ बजे से प्रदेश के अलग–अलग जिलों और दूरदराज के क्षेत्रों से आए चयनित अभ्यर्थी अपनी नियुक्ति की मांग को लेकर स्वास्थ्य भवन, लखनऊ पहुंचे। अभ्यर्थियों का कहना है कि विभाग की ओर से हर बार केवल आश्वासन दिया जाता है, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया है। चयनित अभ्यर्थी कई बार उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री ब्रजेश पाठक तथा मुख्यमंत्री से भी अपनी नियुक्ति को लेकर गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अभी तक




उन्हें नियुक्ति की निश्चित तिथि के संबंध में कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है। दूर–दराज के जिलों से लखनऊ पहुंचे अभ्यर्थियों का कहना है कि अब आश्वासन नहीं, बल्कि नियुक्ति की तारीख चाहिए। राजकीय ऑप्टोमेट्रिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश पाटिल और प्रदेश महासचिव रवीन्द्र यादव ने कहा कि शीघ्र ही नियुक्त पत्र जारी किए जाएं जिससे साल भर से मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना सह रहे नवनियुक्त साथियों को न्याय मिल सके। अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि नियुक्ति की निश्चित तिथि घोषित कर शीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की जाए।

# लखनऊ में धुंध से बिगड़ी हवा, २६६ पहुंचा AQI; १६ नवंबर से कड़ाके की ठंड के आसार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मौसम के करवट लेने के साथ ही सुबह के समय आसमान में हल्की धुंध छाने लगी है, जिसका सीधा असर शहर की वायु गुणवत्ता (**AQI**) पर पड़ा है। धुंध के कारण प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी हुई है और शहर का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (**AQI**) २६६ के साथ श्खराबश श्रेणी में पहुँच गया है। हवा में सबसे अधिक मात्रा पीएम २.५ (**PM**२.५) के सूक्ष्म कणों की दर्ज की गई है। दूसरी ओर, मौसम विभाग ने १६ नवंबर से तापमान में तेज गिरावट आने और कड़ाके की ठंड शुरू होने का पूर्वानुमान जारी किया है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, राजधानी के अलग–अलग इलाकों में हवा की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। अलीगंज क्षेत्र में सर्वाधिक २६६ **AQI** दर्ज किया गया, जबकि तालकटोरा में २६० और लालबाग में २०१ **AQI** रिकॉर्ड हुआ। प्रदूषण के स्तर के लिहाज से ये तीनों ही मॉनिटरिंग स्टेशन 'ऑरेंज जोन' में पहुँच गए हैं। इसके अतिरिक्त अंबेडकर यूनिवर्सिटी क्षेत्र में **AQI** १७५, गोमतीनगर में १८६ और कुकरैल में १३८ दर्ज किया गया है, जो फिलहाल 'यलो जोन' में बने हुए हैं। गौरतलब है कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (**CPCB**) द्वारा गुरुवार शाम ५ बजे जारी किए गए आंकड़ों में लखनऊ का औसत **AQI** २०२ दर्ज किया गया था, जिसमें सुबह की धुंध के बाद और इजाफा हुआ है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, शुक्रवार सुबह हल्की धुंध छाए रहने के बाद दिन में मौसम साफ रहने की संभावना है। शुक्रवार को दिन का अधिकतम तापमान २६ डिग्री और न्यूनतम तापमान १६ डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। इससे पहले गुरुवार को अधिकतम तापमान २६.४ डिग्री और न्यूनतम तापमान १५.६ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जबकि वातावरण में अधिकतम आर्द्रता ६० फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता ४० फीसदी रही। गुलाबी ठंड के बाद अब राजधानी समेत पूरे प्रदेश में कड़ाके की सर्दी दस्तक देने को तैयार है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि वर्तमान में कश्मीर के आसपास एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। हालांकि, इसका उत्तर प्रदेश के मौसम पर सीधा प्रभाव नहीं पड़ेगा, लेकिन इसके असर से उत्तर–पश्चिमी हिमालयी और पश्चिमी मैदानी इलाकों में बारिश व बर्फबारी होने की संभावना है। पहाड़ों पर बर्फबारी के बाद प्रदेश में उत्तर–पश्चिमी ठंडी हवाओं का प्रभाव तेजी से बढ़ेगा। इन सर्द हवाओं के चलते १६ नवंबर से पूरे प्रदेश में तापमान में ३ से ५ डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने के आसार हैं, जिससे दिन और रात के तापमान में कमी आएगी तथा सुबह–शाम की ठंड में खासी बढ़ोतरी होगी।

# माइक्रोसॉफ्ट की वैश्विक सेवाएं बड़े पैमाने पर बाधित

नई दिल्ली। कम्प्यूटर क्षेत्र की दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोस फ्ट की सेवाओं में आई एक बड़ी वैश्विक तकनीकी खराबी के कारण शुक्रवार को दुनियाभर में ई–मेल, क्लाउड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी सेवाएं खासी प्रभावित हुईं। कई मामलों में सेवाएं पूरी तरह से ठप हो गईं, जिससे लाखों उपयोगकर्ताओं और व्यावसायिक संस्थानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बीबीसी के अनुसार तकनीकी खराबी की निगरानी करने वाली वेबसाइट 'डाउनडिटेक्टर' ने बताया गुरुवार शाम करीब छह बजे (स्थानीय समय) पर ७४ देशों के लगभग १,४०,००० लोगों ने माइक्रोसॉफ्ट की ई–मेल सेवा 'आउटलुक' में खराबी की शिकायत दर्ज कराई। माइक्रोसॉफ्ट की वेबसाइट के मुताबिक, दुनियाभर में ४३ करोड़ से अधिक लोग 'माइक्रोसॉफ्ट ३६५' ऐप्स का उपयोग करते हैं। इस तकनीकी व्यवधान के कारण माइक्रोसॉफ्ट ३६५ की प्रमुख सेवाओं जैसे आउटलुक, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स और कंपनी के एआई सॉफ्टवेयर 'कोपायलट' में कनेक्टिविटी की समस्या उत्पन्न हो गई। बड़ी संख्या में उपयोगकर्ता न तो ईमेल भेज या प्राप्त कर पा रहे हैं और न ही कैलेंडर ऐप या कुछ महत्वपूर्ण फाइलों को देख पा रहे हैं। कुछ उपयोगकर्ताओं के लिए टीम्स की मैसेजिंग और ऑनलाइन मीटिंग सुविधा सामान्य रूप से काम करती रही। माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं पर निर्भर अन्य प्रमुख कंपनियों और सरकारी एजेंसियों पर भी इसका व्यापक असर देखा गया। एआई क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों 'ओपनएआई' और 'एंथ्रोपिक' ने भी इस आउटेज के कारण अपनी सेवाओं में बाधा आने




की पुष्टि की। चौटजीपीटी निर्माता ओपनएआई ने कहा कि वह माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं से अपने कनेक्शन को प्रभावित करने वाली समस्या की जांच कर रही है। इसके अलावा, सिंगापुर सरकार और ऑस्ट्रेलिया की खुफिया एजेंसी सहित कई सरकारी निकायों ने भी कामकाज प्रभावित होने की जानकारी दी। ब्रिटेन में कई सामान्य चिकित्सक क्लीनिकों ने मरीजों को ईमेल या वेब फॉर्म के बजाय आपातकालीन पूछताछ के लिए फोन का उपयोग करने की सलाह दी है। इस बीच, ब्रिटेन के तीन प्रमुख हवाई अड्डों हीथ्रो, मैनचेस्टर और स्टैनस्टेड के प्रवक्ताओं ने स्पष्ट किया है कि उनके विमान संचालन पर इस खराबी या आउटेज का कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ा है और उड़ानें सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं। हालांकि, मैनचेस्टर हवाई अड्डे की क पोरेट प्रणाली और कुछ मामूली तकनीकी प्रक्रियाएं प्रभावित हुईं, जिसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था का सहारा लिया गया। माइक्रोसॉफ्ट ने इस घटना के पीछे किसी भी तरह के साइबर हमले की आशंका को सिरे से खारिज कर दिया है। कंपनी के अनुसार, बुनियादी ढांचे पर "अत्यधिक भार" पड़ने के कारण यह स्थिति पैदा हुई। कंपनी ने बताया कि बड़ी संख्या में सर्वर अचानक अनुपलब्ध हो गए थे, जिससे शेष सर्वरों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया। प्रारंभ में मरम्मत के प्रयासों में अपेक्षित सफलता न मिलने के बाद, शुक्रवार सुबह माइक्रोसॉफ्ट ने अपने ताजा जानकारी में कहा कि उसे सेवाओं की स्थिरता और क्षमता बढ़ाने की दिशा में 'सकारात्मक परिणाम' मिल रहे हैं। कंपनी ने कहा कि वह प्रभावित क्षेत्रों में इन सुधारात्मक उपायों को व्यापक स्तर पर लागू कर रही है और स्थिति की निरंतर निगरानी की जा रही है।

# टीबी के खिलाफ जंग में दक्षिण–पूर्व एशिया को बड़ी सफलता

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक नयी रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण–पूर्व एशिया क्षेत्र ने तपेदिक (टीबी) के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल करते हुए इस क्षेत्र ने टीबी के रोगियों तक अपनी पहुंच और इलाज के मामले में वैश्विक औसत को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष २०२५ में टीबी से पीड़ित ८७ प्रतिशत लोगों तक जांच और उपचार सेवाएं पहुंचाई गईं, जबकि वैश्विक औसत ७६ प्रतिशत ही था। इसके अलावा, मरीजों के ठीक होने की सफलता दर भी वैश्विक औसत से काफी बेहतर रही है। दवा–संवेदनशील टीबी के लिए यह ६३ प्रतिशत और रिफैम्पिसिन–प्रतिरोधी टीबी के लिए ७४ प्रतिशत दर्ज की गई। वर्ष २०१५ के बाद से इस क्षेत्र में टीबी के नए मामलों में १८ प्रतिशत और इससे होने वाली मौतों में ३१ प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट आई है। हालांकि, बीमारी के इस उच्च दबाव के बीच चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। ताजा अनुमानों के अनुसार, वर्ष २०२५ में इस क्षेत्र में ३६ लाख नए टीबी मामले सामने आए, जो वैश्विक कुल मामलों का ३४ प्रतिशत है, जबकि ४,००,००० लोगों की मौत हुई। यह वैश्विक कुल का ३५ प्रतिशत है। इसके अलावा, रिफैम्पिसिन और मल्टीड्रग–प्रतिरोध टी टीबी के करीब १,४०,००० मामले सामने आए। यह वैश्विक दबाव का ३८ प्रतिशत है। गौरतलब है कि टीबी एक रोकथाम योग्य और




इलाज योग्य बीमारी होने के बावजूद एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। इसकी वजह से परिवार और समुदाय खासे प्रभावित होते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, टीबी के प्रसार में कुपोषण (प्रतिवर्ष लगभग ४.५ लाख नए मामले), मधुमेह (लगभग ४ लाख मामले), धूम्रपान, शराब का सेवन और एचआईवी सह–संक्रमण जैसे कारक अहम भूमिका निभाते हैं। साथ ही, टीबी से प्रभावित लगभग ४४ प्रतिशत परिवारों को भारी खर्चों का सामना करना पड़ता है। इसके लिए सामाजिक सुरक्षा और पोषण संबंधी सहायता बेहद जरूरी है। इन चुनौतियों से पार पाने के लिए, सितंबर २०२६ में आयोजित डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय समिति के ७६वें सत्र में सदस्य देशों ने २०३० तक टीबी को पूरी तरह समाप्त करने का संकल्प लिया गया था। इस रणनीति के तहत सक्रिय रूप से मामलों की खोज, रैपिड मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स का विस्तार, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में टीबी सेवाओं का एकीकरण और घरेलू निवेश को बढ़ावा देना शामिल है। वर्ष २०२५ में क्षेत्र में टीबी देखभाल के लिए उपलब्ध १.०३ अरब अमेरिकी ड लर में से ६१ प्रतिशत हिस्सा घरेलू स्रोतों से आया था। डब्ल्यूएचओ ने स्पष्ट किया है कि २०३० तक टीबी के सफाए के लक्ष्य को हासिल करने के लिए राजनीतिक प्रतिबद्धताओं को ठोस और त्वरित कार्रवाई में बदलना होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आधुनिक जांच और उपचार बिना किसी वित्तीय कठिनाई के हर जरूरतमंद तक पहुंचे।

# न्यूजीलैंड ने भारत पर २४४ रनों से बड़ी जीत दर्ज की

नई दिल्ली। विल यंग (१२५) और टिम साइफर्ट (५८) की शानदार पारियों के बाद मैट हेनरी (छह विकेट) और मैथ्यू फिशर (तीन विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने चौथे एकदिवसीय मुकाबले में शुक्रवार को भारत पर २४४ रनों से बड़ी जीत दर्ज की। यह रनों के हिसाब से भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार है। मैट हेनरी को 'प्लेयर अ फ द मैच' का पुरस्कार मिला। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने पांच मैचों की सीरीज में बराबरी की ओर कदम बढा दिया है। ३३४ रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को मैट हेनरी के गेंदबाजी कहर का सामना करना पड़ा। पहले ही ओवर में हेनरी ने रोहित शर्मा को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। इसके बाद इसी ओवर में उन्होंने दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली (शून्य) और कप्तान श्रेयस अय्यर (शून्य) का भी शिकार कर भारत के तीन विकेट झटक कर उसे संकट में डाल दिया। भारत का चौथा विकेट छठें ओवर में ऋतुराज गायकवाड़ (पांच) के रूप में गिरा। उन्हें काइल जेमीसन ने आउट किया। २४४ रनों से भारत की हार। ये इतनी बड़ी हार है कि इसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। हेनरी ने अपने वनडे करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए भारतीय बल्लेबाजी को बिखेर दिया। पहले ओवर में ही तीन विकेट गिरने के बाद वापसी किसी हाल में आसान नहीं थी। दूसरे छोर से जेमीसन ने भी रनों का सूखा ला दिया था। इसके बाद इशान किशन और अक्षर पटेल ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट लिए ४४ रनों की साझेदारी हुई। १८वें ओवर में मैथ्यू फिशर ने अक्षर पटेल (२१) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। २१वें ओवर में हेनरी ने इशान किशन (२७) का भी शिकार कर लिया। नमन धीर ने भी कुछ देर तक संघर्ष किया लेकिन २४वें ओवर में फिशर ने उन्होंने भी २१ रन पर आउट कर भारत को नौवां झटका दिया। २७वें ओवर की चौथी गेंद पर हेनरी ने गुरनूर बराड़ (दो) को बोल्ड कर भारत की पारी का ८६ रन पर अंत कर दिया। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी कहर के आगे भारत के




आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाये। न्यूजीलैंड की ओर मैट हेनरी ने २७ रन देकर छह विकेट झटके। मैथ्यू फिशर को तीन विकेट मिले। काइल जेमीसन ने एक बल्लेबाज को आउट किया। आज यहां इससे पहले न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ ३३३ रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया था। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए विल यंग और टिम साइटर्फ की सलामी जोड़ी ने ८५ रन जोड़कर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। १२वें ओवर की आखिरी गेंद पर गुरनूर बराड़ ने टिम साइफर्ट को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। साइफर्ट ने ४८गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाते हुए ५८ रन बनाये। इसके बाद अक्षर पटेल ने निक केली (चार) और आकिब नबी ने डीन फॉक्सक्र फ्ट (आठ) का शिकार कर भारत की मैच में वापसी कराई। फिन ऐलन विल यंग के साथ चौथे विकेट के लिए ६० रन जोड़कर न्यूजीलैंड के लिए बड़े स्कोर की नींव को मजबूत किया। अक्षर पटेल ने ३२वें ओवर में फिन ऐलन (४१) का शिकार कर इस साझेदारी का अंत किया। उन्होंने ३० गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाये। इसके बाद नमन धीर ने शतक बना चुके विल यंग का शिकार कर लिया। विल यंग ने १०८ गेंदों में १४ चौके और चार छक्कों की मदद से १२५ रनों की पारी खेली। माइकल ब्रेसवेल (१५) को बराड़ और कप्तान मिचेल सैंटनर (२४) को अर्शदीप सिंह ने आउटकर भारत की एक बार फिर से मैच में वापसी करा दी। आखिरी ओर तक भारतीय गेंदबाजों ने न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाये रखा। ४८वें ओवर में नबी ने क्रिस्टियन क्लार्क (२२) को आउट किया। इसके बाद ५०वें ओवर कर रहे आकिब नबी के इस ओवर में मैट हेनरी (दो) और मैथ्यू फिशर (एक) को रनआउट हुये और न्यूजीलैंड की पारी ३३३ रन पर सिमट गई। भारत की ओर से आकिब नबी , गुरनूर बराड़ और अक्षर पटेल ने दो–दो विकेट लिये। नमन धीर और अर्शदीप सिंह ने एक–एक बल्लेबाज को आउट किया।

# सोनिया ने 1984 के दंगों पर राजीव गांधी का किया बचाव

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने अपनी संस्मरणात्मक पुस्तक 'बिल निगिंग रू ए जर्नी अ फ लव' में १९८४ के सिख विरोधी दंगों को भारत के इतिहास का दुखद और शर्मनाक अध्याय बताया है लेकिन इस मामले में तत्कालीन प्रधानमंत्री और अपने पति राजीव गांधी का बचाव किया है। श्रीमती गांधी ने मंगलवार १० नवंबर को जारी अपनी इस पुस्तक में ३१ अक्टूबर १९८४ को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या और उसके बाद दिल्ली सहित देश के कई हिस्सों में सिख समुदाय के खिलाफ भड़की हिंसा का उल्लेख किया है। श्रीमती गांधी ने इन दंगों को दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक बताते हुए अपने पति का बचाव करते हुए कहा है कि राजीव गांधी के मन में किसी के प्रति घृणा या दुर्भावना नहीं थी और वह निर्दोष सिखों पर हमलों की अनुमति नहीं दे सकते थे। गौरतलब है कि राजीव गांधी ने १९ नवंबर १९८४ को एक सार्वजनिक सभा में कहा था, 'जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती थोड़ी हिलती है।' उस समय वह प्रधानमंत्री बन चुके थे। सोनिया की पुस्तक में इस टिप्पणी का उल्लेख नहीं है। सिख विरोधी हिंसा से जुड़े मामलों की पैरवी करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता एच.एस. फूलका ने सोनिया गांधी के विवरण की आलोचना की है। भाजपा से जुड़े फूलका ने आरोप लगाया है कि श्रीमती गांधी ने अपने परिवार को क्लीन चिट देने की कोशिश की है। उन्होंने सेना की तैनाती में देरी को लेकर भी उनके विवरण पर सवाल उठाए और कहा कि राजीव गांधी की टिप्पणी को हिंसा और उसके बाद की परिस्थितियों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। श्रीमती गांधी ने लिखा है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद ३१ अक्टूबर की रात राजीव गांधी ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर शांति की अपील की थी और बाद में हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया था। उनके अनुसार, राजीव ने लोगों से बदला नहीं लेने को कहा था। उन्होंने यह भी लिखा है कि राजीव के कार्यालय के कर्मचारी अपने सिख सहयोगियों का पता लगाने और उनकी सुरक्षा करने के लिए निकले थे। उन्होंने स्वीकार किया है कि कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं पर हिंसा भड़काने और हमलों का नेतृत्व करने के आरोप लगे थे। उन्होंने इन हत्याओं को देश की राजनीतिक और प्रशासनिक संस्थाओं की शर्मनाक विफलता बताया और माना कि अनेक पीड़ितों को अब तक न्याय नहीं मिला है। सेना की तैनाती में देरी के संबंध में श्रीमती गांधी ने लिखा है कि तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल ए.



एस. वैद्य को इंदिरा गांधी की हत्या वाली रात आदेश मिले थे, लेकिन परिवार को बाद में मिली जानकारी के अनुसार उन्होंने निकटतम सैन्य टुकड़ियों को तुरंत भेजने का फैसला नहीं किया क्योंकि उनमें सिख सैनिक तैनात थे और उनके भेजे जाने से स्थिति बिगड़ने की आशंका थी। इसके बजाय देहरादून सहित दूरस्थ स्थानों से सैनिक बुलाए गए। सेना की टुकड़ियां एक नवंबर की रात दिल्ली पहुंचने लगीं और दो नवंबर तक हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में उनकी तैनाती हुई। श्री फूलका ने इस विवरण को चुनौती देते हुए कहा है कि सेना बुलाने और तैनात करने की जिम्मेदारी नागरिक प्रशासन की थी तथा हिंसा के दौरान दिल्ली में सैन्य बल उपलब्ध थे। न्यायमूर्ति रंगनाथ मिश्रा आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि उपलब्ध सैनिकों को पहले तैनात किया जा सकता था। उन्होंने सवाल किया कि यदि राजीव गांधी ने ३१ अक्टूबर को सेना बुलाने का आदेश दिया था तो हिंसा रोकने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में देरी क्यों हुई। पुस्तक में जून १९८४ में इंदिरा गांधी सरकार द्वारा स्वर्ण मंदिर परिसर से हथियारबंद उग्रवादियों को बाहर निकालने के लिए चलाए गए ऑपरेशन ब्लू स्टार का भी जिक्र है। उस साल एक से आठ जून तक चले इस अभियान में परिसर और अकाल तख्त को भारी नुकसान पहुंचा था तथा बड़ी संख्या में लोग मारे गए थे। इस संबंध में श्रीमती गांधी ने लिखा है कि जब इंदिरा गांधी को परिसर में हुई तबाही की तस्वीरें और वीडियो दिखाए गए तो उनकी आंखों से आंसू बहने लगे थे। श्रीमती गांधी ने अपनी पुस्तक में इस सैन्य कार्रवाई को लेकर इंदिरा गांधी के दुख और पश्चाताप को प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। हालांकि, फूलका ने सवाल उठाया है कि तस्वीरें देखकर भावुक होना सैन्य कार्रवाई के फैसले पर पश्चाताप का प्रमाण कैसे हो सकता है। भाजपा प्रवक्ता सी.आर. केसवन ने पुस्तक को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा है कि किताब का नाम 'बिलॉन्गिंग' के बजाय 'व्हाइटव शिंग' होना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि पुस्तक में गांधी परिवार का बचाव किया गया है लेकिन १९८४ के फैसलों के परिणामों का पर्याप्त उल्लेख नहीं है। वहीं, कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने भाजपा की आलोचना को राजनीतिक लाभ के लिए पुराने घाव कुरेदने की कोशिश बताया है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की पुस्तक ने १९८४ की घटनाओं और गांधी परिवार की भूमिका को लेकर पुरानी बहस को फिर से शुरू कर दिया है। पुस्तक में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का बचाव करने के बावजूद उनकी विवादित टिप्पणी और हिंसा के दौरान सरकार की राजनीतिक एवं प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़े सवालों पर इसमें कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया है।

# महंगाई ने लांघी सीमा रेखा

नई दिल्ली। खुदरा महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से तय की गई अधिकतम सीमा को पार कर गई है। महंगाई के आकलन की नई सीरीज लागू होने



के बाद और लगभग दो साल में पहली बार खुदरा महंगाई की दर छह फीसदी से ऊपर पहुंची है। गुरुवार को सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में खुदरा महंगाई ६.०६ फीसदी पहुंच गई है, जो उससे पहले के महीने यानी सितंबर में ५.५४ फीसदी थी। यानी एक महीने में खुदरा महंगाई में आधे फीसदी से ज्यादा ०.५५ फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। गौरतलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने देश में महंगाई दर की सीमा दो से छह फीसदी तय की थी। इस लिहाज से चार फीसदी तक की महंगाई दर के आदर्श माना जाता है। इस साल की शुरुआत में महंगाई दर तीन फीसदी से नीचे थे। लेकिन जनवरी के बाद से ही इसमें बढ़ोतरी शुरू हुई है, जो लगातार १० महीने तक बढ़ती रही है। बताया जा रहा है कि खाने पीने की चीजों की कीमतें बढ़ने से खुदरा महंगाई दर में इतनी बढ़ोतरी हुई है। अक्टूबर के महीने में दूध, अंडे से लेकर प्याज, लहसुन सहित रोजाना इस्तेमाल की लगभग सभी चीजों के दाम बढ़े हैं। इससे अक्टूबर में खान पीने की चीजों की महंगाई ८.६४ फीसदी हो गई, जो सितंबर में ७.७४ फीसदी थी। गौरतलब है कि देश के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई में खाने पीने की चीजों की हिस्सेदारी करीब ४० फीसदी है। नई सीरीज में महंगाई के आकलन में खाने पीने की चीजों का वजन कम किया गया है। पहले यह ५० फीसदी से ऊपर था। अगर पुरानी सीरीज होती तो महंगाई दर सात फीसदी से ऊपर होती। बहरहाल, इससे पहले अक्टूबर २०२४ में खुदरा महंगाई छह फीसदी की सीमा पार कर ६.२ फीसदी पर पहुंची थी। उस समय महंगाई का आंकड़ा पुरानी सीरीज के आधार पर जारी किया गया था, जिसका आधार वर्ष २०१२ था। मौजूदा नई सीरीज में अक्टूबर २०२६ में महंगाई पहली बार छह फीसदी की ऊपरी सीमा से ज्यादा हुई है। लगातार महंगाई बढ़ने से रिजर्व बैंक के ऊपर दबाव बढ़ेगा और उसे ब्याज दरों में इजाफा करना पड़ सकता है। हालांकि यह उम्मीद भी जा रही है कि कच्चे तेल की कीमत कम होने से महंगाई पर लगाम लगेगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीनों में रोजाना के इस्तेमाल की लगभग सारी चीजें महंगी हो गई हैं। अमूल, मदर डेयरी और पराग ने दूध की कीमतों में दो से छह रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। गुरुवार, १२ नवंबर से ही यह बढ़ोतरी लागू हुई है। उधर कर्नाटक के नंदिनी ब्रांड ने एक नवंबर से अब तक १२ दिन में दूध के दाम १२ रुपए प्रति लीटर तक बढ़ा चुकी है। इसके अलावा खाने पीने की अन्य वस्तुओं के साथ कपड़े धोने का पाउडर, नहाने का साबुन, सिगरेट, ड्राई फ्रूट्स, होटल व रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाला क मर्शियल गैस सिलेंडर और हवाई जहाज का ईंधन भी महंगा हुआ है।

# दो लापता एसपीओ के शव मिले

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में सीआरपीएफ के एक शिविर के बाहर लगे नाके पर गोलीबारी के बाद अब गुरुवार की सुबह तो लापता एसपीओ के शव बरामद हुए। ये दोनों स्पेशल पुलिस अ फिसर यानी एसपीओ बुधवार



की शाम को किश्तवाड़ जिले के मारवाह के जंगल में लापता हुए थे। गुरुवार की सुबह जम्मू–कश्मीर पुलिस को दोनों के शव मिले। दोनों शव गोलियों से छलनी हैं। उनके पास ६० राउंड वाली एक इंसास राइफल और ५० राउंड वाली एक ३०३ राइफल थी। दोनों के ही हथियार गायब हैं। बताया गया है कि दोनों सेना के जवानों के साथ इलाके में सर्चिंग के लिए गए थे। जब वे लापता हुए थे, तब जंगल से फायरिंग की आवाजें भी सुनाई दी थीं। मरने वालों की पहचान रशपाल कुमार और बाबी चंद के रूप में हुई है। यह भी बताया गया है कि दोनों एसपीओ के लापता होने के दौरान इसी इलाके में एयरटेल नेटवर्क सेवाएं बाधित होने की जानकारी भी सामने आई थी। तभी पहले दोनों के मोहाइल पर कॉल जा रही थी। लेकिन बाद में अचानक क ल बंद हो गई। गौरतलब है कि एयरटेल कंपनी ने इसी साल १० मार्च को मरवाह इलाके में पहली बार मोबाइल नेटवर्क सेवा शुरू की थी। बहरहाल, पिछले महीने १५ अक्टूबर को एक एसपीओ बशीर अहमद किश्तवाड़ के त्रिगाम स्थित पुलिस पिकेट से सर्विस राइफल के साथ लापता हुए थे। अगले दिन १६ अक्टूबर को उनका शव त्रिगाम के जंगल में एक नाले के पास गड्ढे में दबा मिला।

# वोटर लिस्ट से 1.27 करोड़ हिंदुओं के नाम कटने के योगी के दावे पर सियासी घमासान, अखिलेश ने उठाए सवाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव २०२७ से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर प्रक्रिया रद्द करने की मांग को लेकर विपक्ष पहले से ही हमलावर है। अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक बयान ने इस विवाद को और हवा दे दी है। सीएम योगी ने दावा किया है कि वोटर लिस्ट से करीब १.२७ करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम कट गए हैं। उनके इस बयान के बाद विपक्ष ने बीजेपी पर सवालों की बौछार कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दावे को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के पद पर बैठे व्यक्ति को कैसे पता चल गया कि इतने हिंदू मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं? अखिलेश ने आरोप लगाया कि इस तरह के बयान समाज में डर फैलाने और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश हैं। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष की ओर से यह दावा किया जाए कि ६० प्रतिशत पीडीए मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं, तो बीजेपी इस पर सवाल खड़े करेगी। अखिलेश ने आरोप लगाया कि एसआईआर के बाद प्रदेश में जारी प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां की जा रही हैं। अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीडीए प्रहरियों, नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने अपने वोटों की रक्षा के लिए लगातार काम किया और समय–समय पर जानकारी साझा की। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि बीजेपी और उससे जुड़ी संस्थाओं के लोगों, चुनाव आयोग तथा उसकी तकनीकी सहायता टीम ने बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश की। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी अपने मतदाताओं के वोट बचाने में सफल रही है। एसआईआर को लेकर कांग्रेस ने भी बीजेपी और केंद्र सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विपक्ष महीनों से देशभर में एसआईआर के दौरान वोट काटे जाने का मुद्दा उठा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि अगर बीजेपी के समर्थकों या उनके परिचितों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, तो उन्हें अमित शाह से पूछना चाहिए कि उनके नाम क्यों कटवाए जा रहे हैं? पवन खेड़ा ने तंज कसते हुए पूछा कि क्या अमित



शाह बीजेपी को हरवाना चाहते हैं? विपक्ष के लगातार हमलों के बीच बीजेपी भी एसआईआर को लेकर सक्रिय हो गई है। पार्टी ने बैठक में तय किया है कि मतदाता सूची में जिन पात्र लोगों के नाम छूट गए हैं, उन्हें दोबारा जुड़वाने के लिए अभियान चलाया जाएगा।बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि एसआईआर कोई नई प्रक्रिया नहीं है। यह लगातार चलने वाली प्रक्रिया है और अब तक नौवीं बार इसे अपनाया जा रहा है। इसके लिए एक महीने का समय दिया गया है। जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना नाम जुड़वा सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची तैयार करने का काम चुनाव आयोग का है, संगठन का नहीं। हालांकि, बीजेपी कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से पार्टी एक महीने तक अभियान चलाएगी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी एसआईआर को लेकर पार्टी की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीजेपी की अहम बैठक में जिला अध्यक्ष भी शामिल होंगे। पार्टी कार्यकर्ता मतदाताओं के घर–घर जाकर उनसे संपर्क करेंगे और चुनाव आयोग की प्रक्रिया में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मदद से लोगों को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने और पंजीकरण संबंधी प्रक्रिया पूरी करने के लिए जागरूक किया जाएगा। दरअसल, उत्तर प्रदेश में एसआईआर के बाद मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। पंचायत और निकाय चुनाव की मतदाता सूची से करीब ३ करोड़ ३८ लाख मतदाताओं के नाम कटने की बात सामने आने के बाद राजनीतिक दलों के बीच आरोप–प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। एक ओर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर बीजेपी तथा चुनाव आयोग पर हमलावर हैं, तो दूसरी ओर बीजेपी ने छूटे हुए मतदाताओं के नाम जुड़वाने के लिए संगठन को सक्रिय कर दिया है। विधानसभा चुनाव २०२७ से पहले वोटर लिस्ट का यह विवाद अब उत्तर प्रदेश की राजनीति का बड़ा मुद्दा बनता दिखाई दे रहा है।

# आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव के बीच परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, मां–बेटियों की मौत

बाराबंकी। आर्थिक तंगी, मानसिक तनाव और भविष्य की चिंता ने एक परिवार को ऐसी त्रासदी में धकेल दिया कि एक साथ चार जिंदगियां खत्म हो गईं। आज देर शाम शहर में एक महिला और



उसकी तीन मासूम बेटियों की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, महिला लंबे समय से मानसिक तनाव में रहती थी। पति की सीमित आमदनी, घर के खर्च और इलाज पर होने वाले खर्च को लेकर वह अक्सर परेशान रहती थी। वह कई बार पति से बच्चों के साथ ट्रेन के आगे कूदकर जान देने की बात भी कह चुकी थी। आज को आखिरकार ऐसा ही दर्दनाक हादसा हो गया। हालांकि घटना किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं है। मृतकों की पहचान कोतवाली नगर क्षेत्र के गांधी नगर निवासी किरण देवी पाल (३६), उनकी जुड़वा बेटियों कनिष्का और अनुष्का (७) तथा छोटी बेटी काव्या (५) के रूप में हुई है। किरण के पति राम तेजपाल वन विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। वह मूल रूप से बहराइच जिले के रहने वाले हैं और परिवार के साथ बाराबंकी में रहते हैं। दंपती की चार बेटियां थीं। सबसे बड़ी बेटी रिया (१२) घटना के समय पिता के साथ बाजार गई हुई थी, जबकि मां और तीन छोटी बेटियों की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, किरण मानसिक तनाव से गुजर रही थी। चार बेटियों के पालन–पोषण और परिवार की आर्थिक स्थिति को लेकर भी वह चिंतित रहती थी। पति की सीमित आय में घर का खर्च चलाना मुश्किल होता था। उसे इस बात की भी चिंता सताती थी कि अगर उसकी बीमारी के इलाज में ही सारी कमाई खर्च हो गई तो परिवार और बच्चों का भरण–पोषण कैसे होगा। बताया जाता है कि वह अक्सर पति से अपनी परेशानी जाहिर करती थी और बच्चों के साथ जान देने की बात कहती थी। आज को राम तेजपाल अपनी १२ वर्षीय बेटी रिया को लेकर बाजार गए थे। इसी दौरान किरण अपनी तीनों छोटी बेटियों कनिष्का, अनुष्का और काव्या के साथ ट्रेन की चपेट में आ गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख–पुकार मच गई। एक साथ पत्नी और तीन बेटियों को खोने से राम तेजपाल पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। वहीं, मां और तीन बहनों को खोने वाली १२ वर्षीय रिया भी इस त्रासदी से अनजान थी कि कुछ ही देर में उसकी दुनिया उजड़ चुकी होगी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। महिला और बच्चियां किन परिस्थितियों में ट्रेन की चपेट में आईं, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की पड़ताल कर रही है।

# खेल मैदान में दिखा नौनिहालों का हुनर, डीएम ने किया बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ

बाराबंकी। पुलिस लाइन में शुक्रवार को दो दिवसीय जिला स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का शुभारंभ डीएम ईशान प्रताप सिंह ने किया। उन्होंने गुब्बारे छोड़कर प्रतियोगिता की शुरुआत की। इस दौरान १६ विकासखंडों के बच्चों ने मार्चपास्ट



में हिस्सा लिया। डीएम ने कहा कि खेल बच्चों में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। उन्होंने बच्चों को मोबाइल और टीवी से दूर रहकर मैदान में खेलने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिताओं में उच्च प्राथमिक बालिका वर्ग की १०० मीटर दौड़ में निंदूरा की आराध्या, २०० मीटर में फतेहपुर की आसिया बानो, खो–खो में सिरौली गौसपुर और व लीबाल में सिद्धौर की टीम विजेता रही। बालक वर्ग की १०० मीटर दौड़ में पूरेडलई के शादाब, २०० मीटर में दरियाबाद के सत्यदेव, कुश्ती में पूरेडलई के अरुण, फतेहपुर के मुकीम व अजीत और सिद्धौर के रामजी ने बाजी मारी। जूडो में फतेहपुर और निंदूरा के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। प्राथमिक बालक वर्ग की १०० मीटर दौड़ में पूरेडलई के सत्यानाम, २०० मीटर में सूरतगंज के सचिन और ५० मीटर में सिरौली गौसपुर के राज प्रथम रहे। बालिका वर्ग में १०० व २०० मीटर दौड़ में पूरेडलई की अंशिका और ५० मीटर में सूरतगंज की राखी ने पहला स्थान हासिल किया। कबड्डी में सूरतगंज की टीम विजेता रही। उच्च प्राथमिक बालिका वर्ग की टीम स्पर्धा में सिरौली गौसपुर प्रथम और निंदूरा दूसरे स्थान पर रहा। बीएसए नवीन कुमार पाठक ने प्रतियोगिता की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र त्रिपाठी, रुद्र प्रताप पांडेय, महिमा सिंह और प्रदीप श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी मनीराम वर्मा, अंबिका प्रसाद ओझा, संजय राय, उपेंद्र सिंह, जितेंद्र बहादुर चौधरी, जिला व्यायाम शिक्षक अनिल सिंह, व्यायाम शिक्षिका रितु पाठक सहित शिक्षक संघों के पदाधिकारी और शिक्षक मौजूद रहे।

# मंत्री संदीप सिंह की सगाई में उमड़ेंगी नामचीन हस्तियां, कैलाश खेर बिखेरेंगे सुरों का जादू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के सगाई समारोह में इस बार सियासी रंग के साथ–साथ सुरों की भी खास महफिल सजने जा रही है। १४ नवंबर को आयोजित होने वाले इस भव्य समारोह में देश के प्रख्यात सूफी और पॉप–रॉक गायक कैलाश खेर अपनी लाइव प्रस्तुति देंगे। बताया जा रहा है कि समारोह में कैलाश खेर को आमंत्रित करने की विशेष फरमाइश खुद मंत्री संदीप सिंह की मंगेतर की ओर से की गई थी। पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कल्याण सिंह के पौत्र एवं बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह की सगाई को लेकर तैयारियां अपने अंतिम चरण में पहुँच चुकी हैं। इस मांगलिक अवसर पर परिवार के सदस्यों और करीबी रिश्तेदारों के



साथ–साथ प्रदेश की राजनीति और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी कई नामचीन हस्तियों के शामिल होने की संभावना है। राजनीतिक गलियारों में इस समारोह को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। समारोह के दौरान कैलाश खेर की संगीतमय प्रस्तुति शाम को बेहद खास और यादगार बना देगी। कैलाश खेर अपनी विशिष्ट सूफी और भारतीय लोक संगीत से प्रभावित गायकी के लिए देश–दुनिया में पहचाने जाते हैं। उन्होंने अब तक १८ विभिन्न भाषाओं में बॉलीवुड के ३०० से अधिक गीतों को अपनी दमदार आवाज दी है। समारोह में 'अल्लाह के बंदे', 'तेरी दीवानी' और 'चाप तिलक' जैसे उनके कालजयी और लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति आमंत्रित मेहमानों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगी।

# थरबरनगंज नाला निर्माण अधर में लटका - नगर पालिका परिषद लखीमपुर की घोर लापरवाही

लखीमपुर–खीरी। नवंबर, मुस्तफा वकील के घर से, राशिद वार्ड मेम्बर के घर तक लगभग २०० मीटर का नाला ६ महीने से ज्यादा समय बीतने के बाद भी, नहीं बन सका है। नगर पालिका न ही फागिंग कराती है, न ही सफाई व्यवस्था कराती है। थरबरनगंज वासियों को भंयकर गन्दगी में, नगर पालिका परिषद लखीमपुर की लापरवाही से गुजारनी पड़ रही है। भीषण गन्दगी की वजह से शाहरुख का डेढ़ साल का बच्चा भी मच्छर जनित बुखार से मौत के मुंह में चला गया। इस से पहले भी, यहां पर वायरल फीवर से कई मौतें हो चुकी हैं।



# विकास की नई पहचान बनेगा खीरी, काशी की तर्ज पर संवरेगा गोला शिव कॉरिडोर

लखीमपुर खीरी। धार्मिक आस्था, औद्योगिक संभावनाओं और बेहतर कनेक्टिविटी के संग लखीमपुर खीरी विकास की नई इबारत लिखने की ओर अग्रसर है। काशी विश्वनाथ धाम की तर्ज पर गोला गोकर्णनाथ में प्रस्तावित भव्य शिव मंदिर क रिडोर जनपद को धार्मिक पर्यटन के नए मानचित्र पर स्थापित करने की क्षमता रखता है। यह बात राज्य सूचना आयुक्त डॉ. दिलीप अग्निहोत्री ने शुक्रवार को एलआरपी स्थित निरीक्षण गृह में जन सूचना अधि ाकारियों के साथ बैठक के दौरान कही। उन्होंने कहा कि जनपद के समग्र विकास में प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही की भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका है। जन सूचना अधिकारी इस व्यवस्था की अहम कड़ी हैं और उन्हें अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनपद में सड़कों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के कार्य कराए जा रहे हैं। गोला क्षेत्र में देश का पहला पीएलए प्लांट और नया प्लास्टिक पार्क स्थापित करने की पहल औद्योगिक विकास को नई दिशा देगी। वहीं पलिया को बेहतर हवाई कनेक्टिविटी से जोड़ने के लिए एयरपोर्ट एवं विमान सेवाओं को आगे बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। जनजातीय समुदाय सहित समाज के विभिन्न वर्गों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचना भी समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में राज्य सूचना आयुक्त ने जन सूचना अधिकारियों को सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवेदकों को निर्धारित ३० दिनों की समयसीमा में सूचना उपलब्ध कराई जाए। केवल सूचना देने तक ही सीमित न रहें, बल्कि आवेदकों की समस्याओं के समाधान में भी यथासंभव सहयोग करें। पारदर्शी प्रशासन ही सुशासन की मजबूत नींव है और प्रत्येक अधिकारी को जनहित के प्रति जवाबदेह रहना चाहिए। इस दौरान तहसीलदार (न्यायिक) सुरेंद्र कुमार यादव एवं नायब तहसीलदार अश्वनी कुमार उपस्थित रहे।

# राम कथा के दूसरे और तीसरे दिन कथा ब्यास ने सुनाई नारद मोह व विष्णु श्राप की कथा

गोला गोकर्णनाथ खीरी, गोला छोटी काशी क्षेत्र के निकटवर्ती गांव कोटबारा मे मां दुर्गा मंदिर पर मां दुर्गा कमेटी के द्वारा भव्य राम कथा का आयोजन किया जा रहा है, इस अवसर पर शाम की बेला मे कथा ब्यास पंडित पियूष दिक्षित निवासी छोटी काशी ने नारद मोह व विष्णु श्राप की पावन कथा भक्तो को श्रृवण कराई, जिसके पश्चात ग्रामीणो व कमेटी से सहयोग से कराये जा रहे भंडारे के प्रसाद को ग्रामीणो ने गृहण किया, कथा व्यवस्थापक मिथलेश मिथलेश महामंत्री मैलानी मंडल व राहूल मिश्र व शिव पूजन शर्मा ने बताया व अभिषेक दिक्षित ने बताया कि प्रतिदिन शाम को ६रू३० से १०:३० तक कथा का आयोजन के पश्चात भंडारे का आयोजन किया जा रहा है जिसमे कथा श्रवण करने आये व ग्रमीणो के द्वारा प्रसाद ग्रहण किया जा रहा है।




# अठारहवें गोपाष्टमी महोत्सव में नई पीढ़ी ने लिया गौ संरक्षण का बीड़ा, ५०० से अधिक बच्चों ने लिया गौ सेवा का संकल्प

गोला गोकर्णनाथ खीरी। श्री धर्मादा समिति गौशाला में आयोजित सात दिवसीय अठारहवें गोपाष्टमी महोत्सव के तृतीय दिवस पर विद्यालय प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य कल्याण समिति गोला के सह आयोजन में गौ रक्षा संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नायब तहसीलदार ध नंजय सिंह एवं विशिष्ट अतिथियों पूर्व दर्जा राज्यमंत्री सुर्जनलाल वर्मा, पूर्व नगर महामंत्री सुधीर अवस्थी, नामित सभासद रामचंद्र राठौर, विजय बाजपेयी एवं आर्य समाज के अवधेश मिश्र ने गौ पूजन कर किया। इस अवसर पर ५०० से अधिक नगर के स्कूली बच्चों ने गौ माता की सेवा, सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि धनंजय सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि गौ माता भारतीय संसेंति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार हैं। हमें उनके संरक्षण के साथ उनकी सेवा का भाव भी अपने जीवन में अपनाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि सुर्जनलाल वर्मा ने कहा कि गौ संरक्षण समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। नई पीढ़ी को गौ सेवा और भारतीय संसेंति के संस्कारों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। पूर्व नगर महामंत्री सुधीर अवस्थी ने कहा कि गौ सेवा हमारी परंपरा और संस्कारों का अभिन्न अंग है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इसमें अपनी सहभागिता निभानी चाहिए। नामित सभासद रामचंद्र राठौर एवं विजय बाजपेयी ने भी गौ संरक्षण के लिए जनजागरूकता बढ़ाने और सामूहिक प्रयास करने पर जोर दिया। आर्य समाज के अवधेश मिश्रा ने कहा कि सड़कों पर निराश्रित गोवंश को छोड़ना उचित नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति को गौ माता के संरक्षण की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। महोत्सव के आयोजक एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा कि गौ सेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। गौ माता की सेवा से समाज में करुणा और संवेदनशीलता का भाव विकसित होता है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी गौ संरक्षण के लिए प्रेरित करें। साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने तथा पर्यावरण को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम में आयोजक समिति द्वारा अतिथियों का माल्यार्पण, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य कल्याण समिति के प्रांतीय महामंत्री शैलेन्द्र सक्सेना, प्रांतीय कोषाध्यक्ष अनुज खरे, संजय तिवारी, अरविन्द श्रीवास्तव, डीपी श्रीवास्तव, इंजीनियर मिलिन्द शुक्ला, राम अवतार यादव, रविन्द्र कटियार, सुनील शर्मा, विमलेश वर्मा, अविनाश गुप्ता, काके सहगल, अमित गुप्ता, मनोज बाथम सहित अनेक गौ सेवक, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# छठ पूजा की तैयारियों का पालिकाध्यक्ष ने लिया जायजा, अधिकारियों को कल तक सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश

गोला गोकर्णनाथ खीरी। छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ में छठ पूजा पर्व को लेकर नगर पालिका परिषद ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने खाद्य एवं सफाई निरीक्षक संदीप वर्मा, सफाई निरीक्षक नरेश तथा यूपीपीसीएल के अधिकारियों के साथ पवित्र तीर्थ स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पालिकाध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि छठ पूजा से पूर्व तीर्थ स्थल की समुचित सफाई, स्वच्छ जल एवं बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य कल तक हर हाल में पूर्ण कर लिए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को पूजा–अर्चना के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस दौरान गौरव ज्ञान त्रिपाठी, विजय मिश्रा, लवकुश अवस्थी सहित नगर पालिका के कर्मचारी मौजूद रहे।



# योगी बोले– यूपी में माफिया राज खत्म, बुलडोजर बना प्रदेश का ब्रांड्य 1200 करोड़ से बनेगा ट्रैक्टर प्लांट

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में माफिया राज की जगह कानून का राज स्थापित हुआ है। अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति ने प्रदेश को निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया है। बुलडोजर अब उत्तर प्रदेश का ब्रांड बन चुका है। यहां बुलडोजर और ट्रैक्टर बनेंगे तो देश–विदेश में इनकी मांग अपने आप बढ़ेगी। मुख्यमंत्री गुरुवार को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में सीएनएच इंडस्ट्रियल के नए ट्रैक्टर निर्माण संयंत्र की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी को वीडियो क न्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि १२०० करोड़ रुपए से अधि ाक की लागत से १०० एकड़ में स्थापित होने वाला यह संयंत्र प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति देगा। इससे हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलेंगे। योगी ने कहा कि जिस जेवर क्षेत्र की पहचान कभी अपराध और अराजकता से होती थी, वह आज देश के प्रमुख निवेश केंद्र के रूप में उभर रहा है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और यीडा के विकास के साथ यह क्षेत्र औद्योगिक, आर्थिक और लॉजिस्टिक हब बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यहां एचसीएल– फॉक्सकॉन का सेमीकंडक्टर संयंत्र, मेडिकल डिवाइस पार्क, टॉय पार्क, एमएसएमई पार्क और डाटा सेंटर जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं विकसित हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि २०१७ से पहले उत्तर प्रदेश पलायन, पिछड़ेपन और अराजकता जैसी समस्याओं से जूझ रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश की तस्वीर बदली है। उत्तर प्रदेश अब उपद्रव प्रदेश से उत्सव प्रदेश बन चुका है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, फियरलेस



बिजनेस और ट्रस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस के क्षेत्र में प्रदेश ने अपनी अलग पहचान बनाई है। योगी ने कहा कि कभी बीमारू राज्यों में शामिल उत्तर प्रदेश आज देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में जगह बना चुका है और एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। योगी ने बताया कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश को ५० लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें १५ लाख करोड़ रुपए का निवेश धरातल पर उतर चुका है, जबकि ७.५० लाख करोड़ रुपए के प्रस्तावों को जल्द मूर्त रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में फैक्ट्रियों की संख्या १४ हजार से बढ़कर ३५ हजार हो गई है। एमएसएमई इकाइयों की संख्या एक करोड़ तक पहुंच गई है, जबकि स्टार्टअप की संख्या १२० से बढ़कर २५ हजार हो चुकी है। उन्होंने कहा कि भारत के ट्रैक्टर बाजार में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी करीब १८.५ प्रतिशत है। सीएनएच का नया संयंत्र कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देगा। राज्य सरकार निवेशकों को हर संभव सहयोग और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है मुख्यमंत्री ने युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षित करने पर जोर देते हुए कहा कि टाटा, सैमसंग, माइक्रोस फ्ट, आईबीएम, इंफोसिस और एचसीएल जैसी कंपनियों के सहयोग से प्रदेश में उद्योगों के अनुकूल कार्यबल तैयार किया जा रहा है। आईटी, सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा, रोबोटिक्स और एग्रीटेक जैसे उभरते क्षेत्रों में रोजगार और नवाचार की नई संभावनाएं विकसित हो रही हैं।

## पहली बार छठ पूजा मनाना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहाः आयुष्मान खुराना

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ने कहा है कि पहली बार छठ पूजा मनाना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा है। आयुष्मान खुराना ने कहा कि पंजाबी परिवार से होने के कारण उन्होंने पहले कभी छठ पूजा नहीं मनाई थी। सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के गीत 'बुलाए छठी मां' की शूटिंग के दौरान पहली बार इस पर्व का अनुभव करना उनके लिए बेहद खास और भावुक कर देने वाला रहा। फिल्म में आयुष्मान के साथ शरवरी भी नजर आएंगी। 'बुलाए छठी मां' गीत में छठ पूजा की आस्था, भक्ति और परंपराओं को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है। यह पर्व विशेष रूप से बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इसके अलावा देश के विभिन्न हिस्सों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसमें शामिल होते हैं। आयुष्मान ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि छठ पूजा से जुड़ी भावनाओं और लोगों को एकजुट करने की इसकी खूबी ने उन्हें काफी प्रभावित किया। प्रत्येक रस्म का अपना विशेष महत्व है और उसके पीछे अटूट आस्था एवं भक्ति जुड़ी हुई है। उनके लिए यह अनुभव केवल एक गाने की शूटिंग तक सीमित नहीं था, बल्कि एक खूबसूरत परंपरा को करीब से जानने और उसका हिस्सा बनने का अवसर था। आयुष्मान खुराना ने बताया कि छठ पूजा के क्लाइमैक्स दृश्य की शूटिंग से पहले निर्देशक सूरज



बड़जात्या ने पूरी कास्ट को एक साथ बुलाकर छठ पूजा का गीत सुनाया था। यह बेहद भावुक क्षण था और वहां मौजूद सभी लोगों की आंखें नम हो गई थीं। इस अनुभव ने पूरे दृश्य को और भी अर्थपूर्ण बना दिया। आयुष्मान ने कहा कि पूरी कास्ट सूरज बड़जात्या के छठ पूजा के दृश्य को प्रस्तुत करने के तरीके और इस पर्व की परंपराओं एवं भावनाओं को वास्तविक रूप में पर्दे पर उतारने के उनके प्रयास से बेहद प्रभावित हुई। 'ये प्रेम मोल लिया' के जरिए आयुष्मान पहली बार सूरज बड़जात्या की फिल्म में नजर आएंगे। सूरज बड़जात्या अपने सिनेमा में परिवार, त्योहारों और भारतीय परंपराओं को विशेष महत्व देते रहे हैं। फिल्म का गीत 'बुलाए छठी मां' भारतीय सांस्कृतिक विरासत के साथ आस्था, कृतज्ञता और सामाजिक एकता की भावना को रेखांकित करता है।

## जैकी श्रॉफ और शरद केलकर की फिल्म 'काली खेती' का ट्रेलर रिलीज

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ और शरद केलकर अभिनीत हॉरर फिल्म 'काली खेती' का खौफनाक ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में रहस्य और भय से भरी एक ऐसी ग्रामीण दुनिया की झलक



दिखाई गई है, जहां खेतों से जुड़ी अलौकिक शक्तियां पूरे गांव के लोगों के जीवन पर हावी हो जाती हैं। फिल्म की कहानी खेती और कृषि को मनोवैज्ञानिक हॉरर के अनूठे विषय के रूप में पेश करती है। ट्रेलर में एक ऐसे गांव को दिखाया गया है, जहां लोग किसी रहस्यमयी और खौफनाक ताकत के साये में जीने को मजबूर हैं। यहां खेत केवल फसल उगाने की जगह नहीं, बल्कि किसी जीवित और अलौकिक शक्ति की तरह नजर आते हैं। खेतों के पुराने इतिहास में छिपे रहस्य गांव के लोगों के लिए भय का कारण बने हुए हैं। जैकी श्र फ अपने अलग अंदाज और प्रभावशाली अभिनय से फिल्म में रहस्य का माहौल गहराते नजर आ रहे हैं। वहीं, शरद केलकर का दमदार अभिनय कहानी को और गंभीर बनाता है। ट्रेलर में दोनों कलाकारों के किरदारों की अलग–अलग झलक देखने को मिलती है। हरिस इम्तियाज खान के लेखन एवं निर्देशन में बनी इस फिल्म की निर्माता सना खान हैं। ब्लैककैनवस स्टूडियो के बैनर तले निर्मित फिल्म में नेहा सरगम, वीरेंद्र सक्सेना और शाजी चौधरी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

## सलमान खान की 'मातृभूमि' के ट्रेलर को मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स

मुम्बई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अभिनीत फिल्म 'मातृभूमिरू मे वॉर रेस्ट इन पीस' के ट्रेलर ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर धमाल मचा दिया है। रिलीज के २४ घंटे से भी कम समय में ट्रेलर को ५० मिलियन से अधिक व्यूज मिल चुके हैं। ट्रेलर को दर्शकों के साथ–साथ पूर्व सैनिकों, सैन्य अधिकारियों और राजनेताओं से भी सराहना मिल रही है। ट्रेलर की प्रशंसा करने वालों में शौर्य चक्र से सम्मानित सेवानिवृत्त मेजर पवन कुमार और सेना मेडल से सम्मानित सैन्य खुफिया विभाग के अनुभवी मेजर एम. जॉली शामिल हैं। सैन्य पृष्ठभूमि से जुड़े लोगों की सराहना को फिल्म के लिए खास माना जा रहा है। फिल्म में युद्ध, सैनिकों के बलिदान और उनके परिवारों पर पड़ने वाले भावनात्मक प्रभाव को प्रमुखता से दर्शाया गया है। फिल्म के ट्रेलर में दमदार एक्शन दृश्यों और शानदार विजुअल्स के साथ मानवीय संवेदनाओं का भी प्रभावशाली चित्रण किया गया है। इसमें सैन्य अभियानों की अनिश्चितता, सैनिकों के परिवारों के त्याग और युद्ध में दोनों पक्षों के

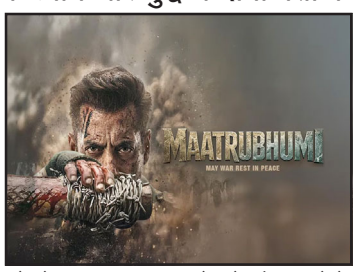


लोगों की जान जाने से पैदा होने वाले दर्द को दिखाया गया है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी और सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले निर्मित 'मातृभूमिरू मे वॉर रेस्ट इन पीस' में सलमान खान और चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म चार दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक